Baba’s Praise

9/5/2015

- तुम आते हो रूहानी बाप, रूहानी टीचर, रूहानी सतगुरू के पास।
- समझ सकते हैं, हम सभी आत्माओं का बाप एक ही निराकार है। वह आ करके बाप, टीचर, सतगुरू भी बनते हैं।
- ऊंच ते ऊंच बाप है तो जरूर ऊंच ते ऊंच की ही गाई हुई गीता हो गई क्रियेटर।
- एक निराकार बाप ही है जो 21 जन्मों के लिए वर्सा देते हैं। कोई मनुष्य तो दे न सके।

- बाप बनाते हैं पाउण्ड। अभी बाप बैठ बच्चों को समझाते हैं।
- बाप को ही दु:ख हर्ता, सुख कर्ता कहा जाता है।
- बाप को ही रचता कहा जाता है। भारतवासी जानते हैं शिव जयन्ती भी मनाई जाती है। शिव है बाप।
- बाप आकर पतित से पावन बनाते हैं।

- सचखण्ड की स्थापना बाप करते हैं, झूठखण्ड फिर रावण बनाते हैं।
- बाप ही आकर तुमको मनुष्य से देवता बनाते हैं। गायन भी है - मूत पलीती कपड़ धोए.....।
- बाबा हमको ब्रह्माण्ड का मालिक भी बनाते हैं और विश्व का मालिक भी बनाते हैं।
- शिवबाबा भारत को हेविन बनाते हैं।